CHARAK JAYANTI 2023

VCAS, BIJNOR

महर्षि चरक को किया याद

विवेक आयुर्वेदिक मेंडिकल कॉलेज में मनाई गई आयुर्वेद के जनक की जयंती

महर्षि चरक की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

● जनवाणी संवाददाता, बिजनौर

विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज एण्ड हॉस्पिटल, बिजनौर में 21 अगस्त को आयुर्वेद के जनक महर्षि चरक की जयंती का महोत्सव बडे धूमधाम से मनाया गया।

विवेक कॉलेज में कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि चरक की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन अमित गोयल ने कहा कि चरक ऐसे पहले चिकित्सक थे जिन्होंने पाचन, चयापचय और शरीर प्रतिरक्षा की अवधारणा दी थी। चरक के अनुसार शरीर में पित्त, कफ और वायु के कारण दोष उत्पन्न हो जाते है और यहीं बीमारियों की जड़ बनते हैं। आयुर्वेदाचार्य चरक मानव कल्याण के लिए आयुर्वेद ग्रंथ 'चरक संहिता' लिखा था। इसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए आयुर्वेदिक औषधियों की व्याख्या की गई है, जिन्हें सही मात्रा और तरीके से प्रयोग करने के उपाय भी दिए गए हैं। कॉलेज के प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल ने कहा कि महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति को बीमारी से बचाना न की इलाज करना, जो चिकित्सक अपने ज्ञान और समझ का दीपक लेकर बीमार के शरीर को नहीं समझता, वह बीमारी कैसे ठीक कर सकता है। इसलिए सबसे पहले उन सब कारणों का अध्ययन करना चाहिए जो रोगी को प्रभावित करते हैं, फिर उसका इलाज करना चाहिए। डा. आधार के द्वारा आयुर्वेदिक कॉलेज के शिक्षकों/चिकित्सकों व छात्र/छात्राओं को चरक शपथ दिलवायी गई। इस अवसर पर प्रथम वर्ष के छात्रों ने धनवंतरी स्तुती प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डा. राजीव लोचन दास, डा. हज़रा, डा. प्रज्ञा ने आचार्य चरक के जीवन पर अपनी-अपनी भवनाएं व्यक्त की। इस कार्यक्रम में डा. सुनिता, डा. संजीव आदि उपस्थित रहे।

विवेक आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में मनाई गई चरक जयंती

बिजनौर (बि.टा.)। विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज एण्ड हॉस्पिटल, बिजनौर में 21 अगस्त को आयुर्वेद के जनक महर्षि चरक की जयन्ती का महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि चरक की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के चेयरमैन अमित गोयल,ने कहा कि चरक ऐसे पहले चिकित्सक थे जिन्होंने पाचन, चयापचय और शरीर प्रतिरक्षा की अवधारणा दी थी,चरक के अनुसार शरीर में पित्त, कफ और वायु के कारण दोष उत्पन्न हो जाते हैं और यही बीमारियों की जड़ बनते हैं. आयुर्वेदाचार्य चरक मानव कल्याण के लिए आयुर्वेद ग्रंथ 'चरक संहिता' लिखा था. इसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए आयुर्वेदिक औषधियों की व्याख्या की गई है, जिन्हें सही मात्रा और तरीके से प्रयोग करने के उपाय भी दिए गए हैं।

कॉलेज के प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल ने कहा कि महत्वपूर्ण यह है कि व्यक्ति को बीमारी से बचाना न कि इलाज करना है जो चिकित्सक अपने ज्ञान और समझ का दीपक लेकर बीमार के शरीर को नहीं समझता, वह बीमारी कैसे ठीक कर सकता है? इसलिए सबसे पहले उन सब कारणों का अध्ययन करना चाहिए जो रोगी को प्रभावित करते हैं, फिर उसका इलाज करना चाहिए। डा. आधार के द्वारा आयुर्वेदिक कॉलेज के शिक्षकों/चिकित्सको व छात्र/छात्राओं को चरक शपथ दिलवायी गई। इस अवसर पर प्रथम वर्ष के छात्रों ने धनवंतरी स्तुती प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में डा. राजीव लोचन दास, डा. हज़रा, डा. प्रज्ञा ने आचार्य चरक के जीवन पर अपनी-अपनी भवनाएं व्यक्त की। इस कार्यक्रम में डा. सुनिता डा. संजीव आदि उपस्थित रहे।

सभी स्नातक पाठ्यक्रमों में 33 फीसदी सीटें बढ़ा दी हैं। ब्यूरो

टेनिस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

तृतीय तथा बालक वर्ग डबल्स में

सौम्य तृतीय रहे।

महर्षि चरक ने दी थी पाचन, शरीर प्रतिरक्षा की अवधारणा

संवाद न्यूज एजेंसी

बिजनौर। विवेक कॉलेज ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेज एंड हॉस्पिटल में आयुर्वेद के जनक महर्षि चरक की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कॉलेज के चेयरमैन अमित गोयल ने कहा कि चरक पहले चिकित्सक थे, जिन्होंने पाचन, चयापचय और शरीर प्रतिरक्षा की अवधारणा दी थी।

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ महर्षि चरक की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के छात्रों ने धनवंतरी स्तुति प्रस्तुत की। कॉलेज चेयरमैन अमित गोयल ने कहा कि आयुर्वेदाचार्य चरक ने मानव कल्याण के लिए आयुर्वेद ग्रंथ चरक संहिता लिखा था। इसमें विभिन्न रोगों के उपचार के लिए आयुर्वेदिक औषधियों की व्याख्या की गई है।

वहीं कॉलेज के प्राचार्य वैद्य संदीप अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सक को सबसे पहले उन सब कारणों का अध्ययन करना चाहिए जो रोगों को प्रभावित करते हैं।

इसके बाद मरीज का इलाज करना चाहिए। इसके बाद डॉ. आधार ने चिकित्सकों और विद्यार्थियों को चरक शपथ दिलाई। इस मौके पर डॉ. राजीव लोचन दास, डॉ. हजरा, डॉ. प्रज्ञा, डॉ. सुनीता, डॉ. संजीव आदि मौजूद रहे।

बिजनौर ds विवेक आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज में चरक जयंती पर शपथ लेते छात्र-छात्राएं और शिक्षक। स्रोत : कॉलेज

आयुर्वेद के जनक महर्षि चरक की जयंती धूमधाम से मनाई गई

in Trimas (locked jaw)
Submitted By:
Iqra Sadaf, Iqra Ruhi
MUCOUS MEMBRANE OF THE
VASICULAE SEMINALIS, VAS DEFRENTIA ETC.
SUBMITTED TO
DR. V. SHESHU KUMAR
DR. RAJEEV KUMAR
(ASSO. PROFESSOR)
(BATCH 2020-21)
aorta, the popliteal pressure is lower thar
brachial pressure
चरकसंहिता